

**Christmas Eve 2020**

**Isaiah 9:1-7**

**A Christmas Light in Our Darkness**

---

---

---

---

---

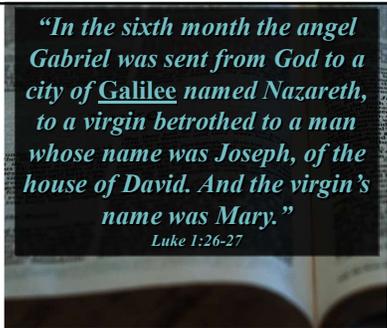
---

---

---

*“In the sixth month the angel Gabriel was sent from God to a city of Galilee named Nazareth, to a virgin betrothed to a man whose name was Joseph, of the house of David. And the virgin’s name was Mary.”*

*Luke 1:26-27*



---

---

---

---

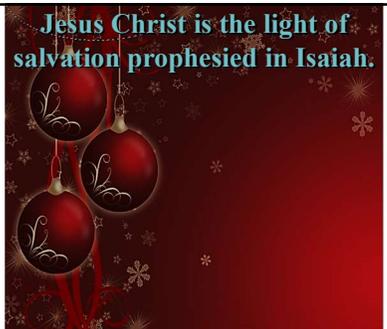
---

---

---

---

**Jesus Christ is the light of salvation prophesied in Isaiah.**



---

---

---

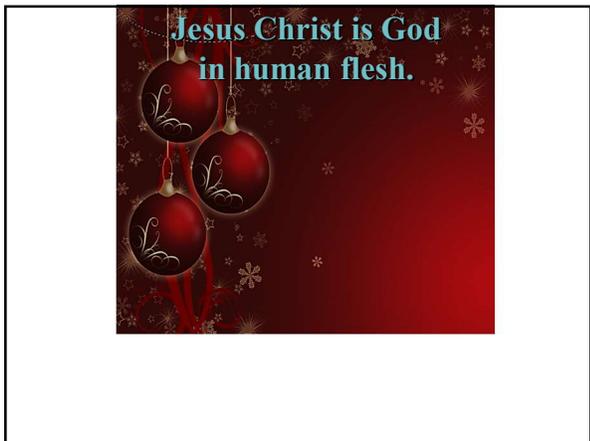
---

---

---

---

---



---

---

---

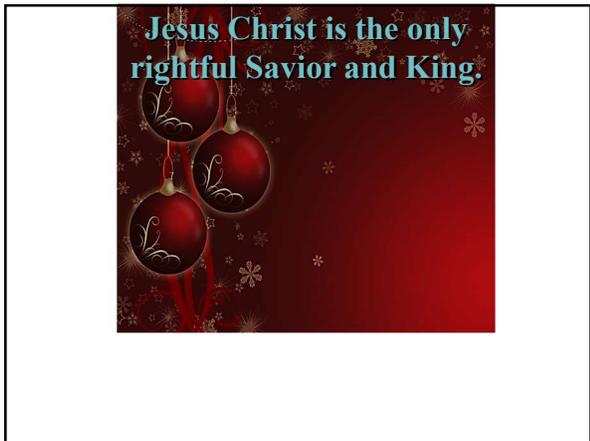
---

---

---

---

---



---

---

---

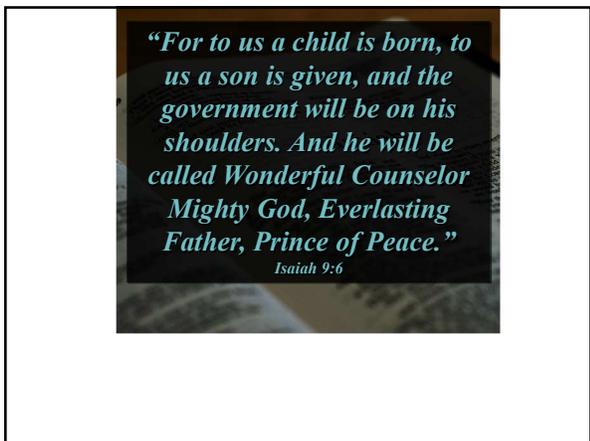
---

---

---

---

---



---

---

---

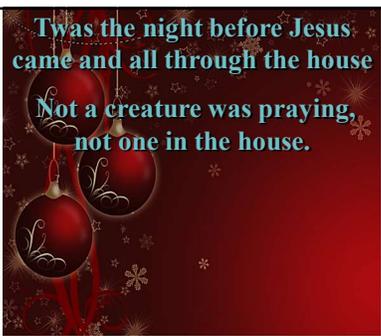
---

---

---

---

---



---

---

---

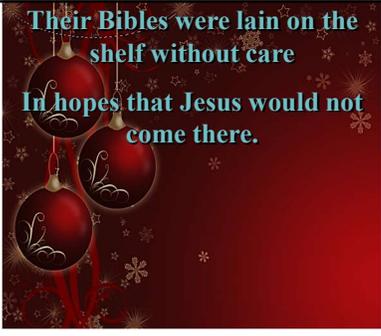
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

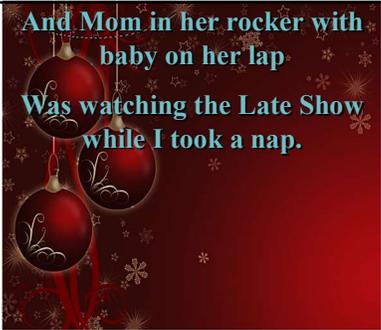
---

---

---

---

---



And Mom in her rocker with  
baby on her lap  
Was watching the Late Show  
while I took a nap.

---

---

---

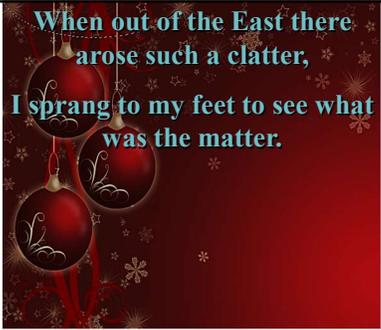
---

---

---

---

---



When out of the East there  
arose such a clatter,  
I sprang to my feet to see what  
was the matter.

---

---

---

---

---

---

---

---



Away to the window I flew  
like a flash  
I tore open the shutters and  
threw up the sash!

---

---

---

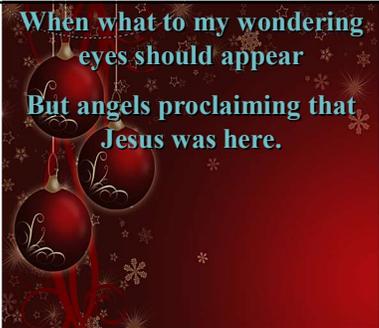
---

---

---

---

---



When what to my wondering  
eyes should appear  
But angels proclaiming that  
Jesus was here.

---

---

---

---

---

---

---

---



With a light like the sun  
sending forth a bright ray  
I knew in a moment this must  
be The Day!

---

---

---

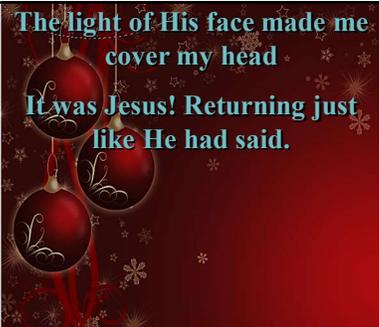
---

---

---

---

---



The light of His face made me  
cover my head  
It was Jesus! Returning just  
like He had said.

---

---

---

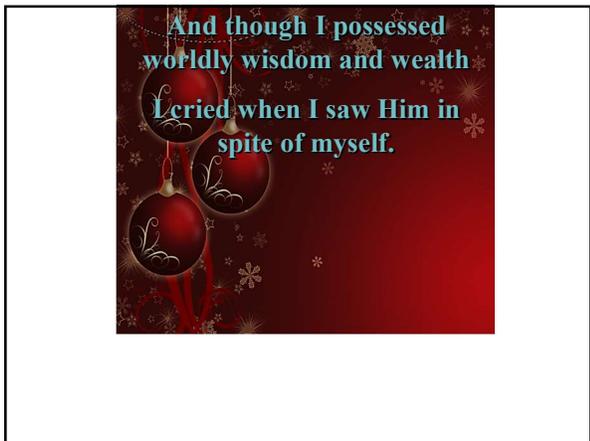
---

---

---

---

---



---

---

---

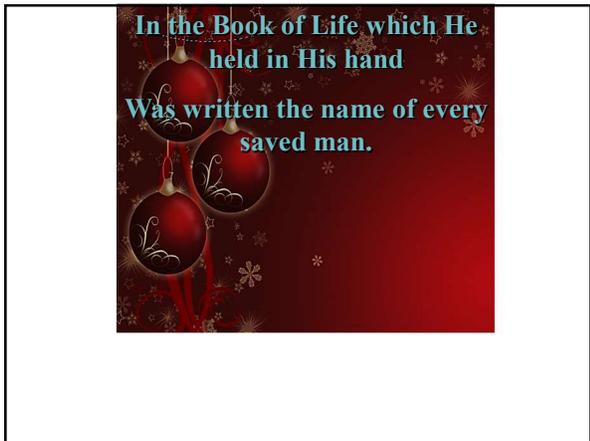
---

---

---

---

---



---

---

---

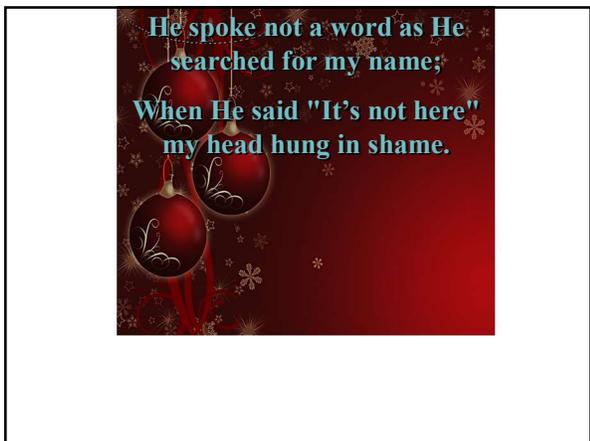
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



I fell to my knees, but it  
was too late;  
I had waited too long and  
this sealed my fate.

---

---

---

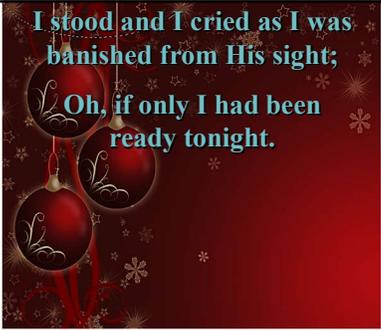
---

---

---

---

---



I stood and I cried as I was  
banished from His sight;  
Oh, if only I had been  
ready tonight.

---

---

---

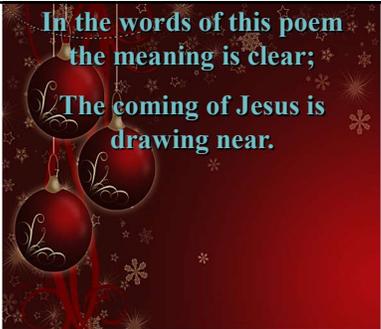
---

---

---

---

---



In the words of this poem  
the meaning is clear;  
The coming of Jesus is  
drawing near.

---

---

---

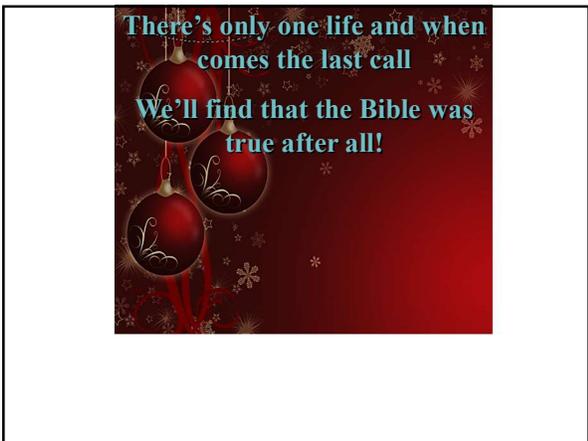
---

---

---

---

---



---

---

---

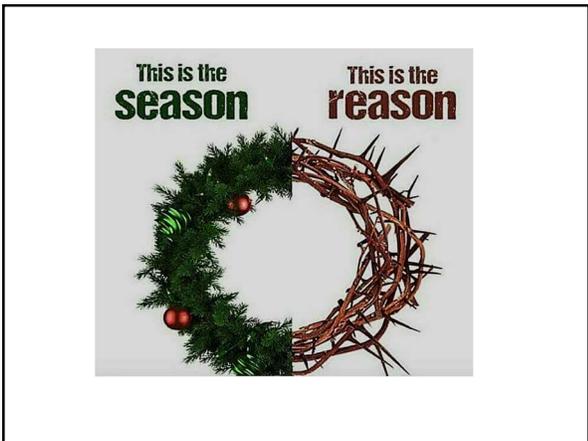
---

---

---

---

---



---

---

---

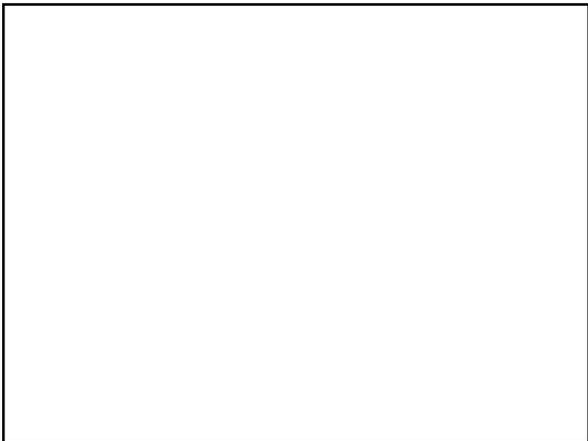
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---